

बड़े भूखंडों की योजना में रुचि दिखा रही कंपनियां

ग्रेटर नोएडा, कार्यालय संवाददाता। ग्रेटर नोएडा में 130 मीटर चौड़ी सड़क के किनारे स्थित औद्योगिक सेक्टर इकोटेक-8, 10, 9 और 16 में भूखंड लेने के लिए कंपनियों ने रुचि दिखाई है। प्राधिकरण ने सात सेक्टरों में 24 बड़े औद्योगिक भूखंडों की योजना शुरू की है, जिसमें आवेदन की प्रक्रिया चल रही है।

योजना में नौ हजार से लेकर एक लाख वर्गमीटर तक के भूखंड हैं। इनका आवंटन साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। बता दें कि नई औद्योगिक नीति के तहत बड़े औद्योगिक भूखंडों की योजना पहली बार आई है। इसमें पंजीकरण करने की अंतिम तिथि 12 मई है। योजना में शामिल 24 भूखंड

कहां-कितने भूखंड

सेक्टर	भूखंडों की संख्या
इकोटेक-11	06
इकोटेक-1 एक्सटेंशन-01	07
इकोटेक-10	02
इकोटेक-16	02
इकोटेक-8	05
इकोटेक-6	01
सेक्टर-16	01

इकोटेक-11, इकोटेक-01 एक्सटेंशन-01, इकोटेक-10, इकोटेक-16, इकोटेक-8 और सेक्टर-16 में हैं। इनमें से सेक्टर इकोटेक-8, 9, 10, 16 और इकोटेक-1 एक्सटेंशन-1 ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट को जोड़ने वाली 130 मीटर चौड़ी सड़क के किनारे स्थित

६६ शहर में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की कई बड़ी कंपनियां आने को इच्छुक हैं। इसे देखते हुए 24 बड़े औद्योगिक भूखंडों की योजना शुरू की गई है। - रवि कुमार एनजी, सीईओ ग्रेटर नोएडा

हैं। शहर की इस मुख्य सड़क का विस्तार यमुना सिटी तक किए जाने की तैयारी चल रही है। ऐसे में इन सेक्टरों में औद्योगिक भूखंडों की मांग सबसे अधिक है। आवाजाही आसान होने के साथ फैक्टरियों में तैयार माल एयरपोर्ट तक पहुंचाना आसान रहेगा। भूखंडों का

आकार 9065, 10776, 11111, 12613, 13400, 20246 से लेकर 1 लाख वर्गमीटर तक है। ग्रेटर नोएडा में बड़े औद्योगिक भूखंडों की योजना लंबे समय बाद आई है। ऐसे में निवेश आने की संभावनाएं ज्यादा हैं।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के चलते उद्यमी यहां निवेश करने को इच्छुक हैं। अधिकारी के मुताबिक प्राधिकरण को कई बड़े प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। शासन स्तर से भी औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए विशेष दिशा निर्देश दिए गए हैं, ताकि रोजगार के अवसर पैदा हो सकें। पूर्व में 40 छोटे आकार के औद्योगिक भूखंडों की योजना शुरू की गई थी, जिनका आवंटन ई-नीलामी के माध्यम से किया गया था।